PANDIT SUNDARLAL SHARMA (OPEN) UNIVERSITY CHHATTISGARH
BILASPUR

MANUAL

Post Graduate Diploma in Psychological Guidance & Couselling
(PGDPG&C)

Department of Psychology

PANDIT SUNDARLAL SHARMA (OPEN) UNIVERSITY CHHATTISGARH, BILASPUR

VERIFIED

Dr. Anita Singh
Incharge NAAC Criteria-I
PSSOU, CC Bilaspur

REGISTRAR
Pt. Sunderlal Sharma (Open)
University Chhattisgarh
BILASPUR (C.G.)

पण्डित सुंदरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर
मनोविज्ञान विभाग
(MANUAL FOR FIELD WORK)

(स्नात्तकोत्तर पत्रोपाधि पाठ्यक्रम
निर्देशन एवं परामर्श के विद्यार्थियों हेत)

परियोजना कार्य संबंधित सामान्य निर्देश

01. पी. जी. डिप्लोमा पाठ्यक्रम में सभी विद्यार्थियों के लिए परियोजना कार्य करना आवश्यक एवं अनिवार्य है।

02. परियोजना कार्य हेतु किसी शैक्षणिक संस्थान, सामाजिक संस्थान गैर सरकारी संस्थाओं, संगठनों आदि से परामर्श कार्य हेतु व्यक्तियों का चयन किया जा सकता है।

03. परियोजना कार्य को विश्वविद्यालय द्वार निर्धारित प्रारूप में बनाकर सूचना में दिये गये निर्धारित समय सीमा में पूर्ण करना होगा।

04. परियोजना कार्य हेतु मनोवैज्ञानिक परीक्षणों का प्रयोग यथासंभव किया जा सकता है।

05. परियोजना कार्य से संबंधित आवश्यक जानकारी हेतु विभाग में कार्यालयीन समय पर स्वयं उपस्थित होकर अथवा दूरभाष द्वारा संपर्क किया जा सकता है।

परियोजना–कार्य (Project- Work)

परामर्श एवं निर्देशन में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा कार्यक्रम में प्रोजेक्ट के रूप में आपको कम से कम दो व्यक्तियों का निर्देशन/परामर्श करना होगा उसका संपूर्ण केस स्टडी (लगभग 2500 शब्दों में प्रत्येक का संक्षिप्त रिपोर्ट) प्रस्तुत करना होगा। यह प्रोजेक्ट 6 श्रेयांकों का है। निर्देशन एवं परामर्श के क्षेत्र दो भागों में बांटे गए हैंः पहला भाग अनिवार्य है, दूसरे भाग से आप दो में से कोई एक चुनेंगे। दोनों खण्डों का विस्तृत विवरण निम्नांकित हैः

भाग–1 अनिवार्य

विशेष आवश्यकता वाले बालकों का शैक्षिक परामर्श

भाग–2

भाग दो से कोई एक क्षेत्र चुनें

1. शैक्षिक निर्देशन एवं परामर्श
2. व्यावसायिक निर्देशन एवं परामर्श

- प्रोजेक्ट पूरा करके आप पं. सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग में संपर्क कक्षा एवं परियोजना कार्य संबंधी हेतु दी गई सूचना में उल्लेखित तिथि के अनुसार अवश्य जमा कर दें।
  प्रोजेक्ट जमा न करने की स्थिति में आपका प्रायोगिक कार्य अपूर्ण माना जायेगा तथा आपको पुनः परियोजना कार्य जमा कर मौखिकी परीक्षा में सम्मिलित होना पड़ेगा।
- प्रोजेक्ट हेतु आप जिस विद्यालय/परामर्श केंद्र से बच्चो का चयन करेंगे वहां के प्रधानाचार्य/निर्देशक से आपको इस आशय का प्रमाण पत्र लेना होगा कि आपने उनके विद्यालय केंद्र में अपना प्रायोगिक कार्य पूर्ण किया है।
- प्रोजेक्ट में आपकी सहायता के लिए निर्धारित रिपोर्टिंग दिया गया है आपसे आग्रह है कि आप उसी निर्धारित फॉर्मेट में अपना रिपोर्ट प्रस्तुत करें।
- प्रोजेक्ट रिपोर्ट के प्रथम पृष्ठ पर आप अपना नाम, नामांकन कमांक क्षेत्रीय अध्ययन केंद्र एवं अध्ययन केंद्र का नाम लिखे।
- प्रोजेक्ट के दूसरे पृष्ठ पर आप इस आशय का प्रमाण पत्र लगायें कि आपने यह कार्य किस अवधि में और किस स्कूल/परामर्श केंद्र पर किया है। यह प्रमाण पत्र उस विद्यालय/केंद्र के प्रधानाचार्य/निर्देशक से प्रति हस्ताक्षरित होना चाहिए।
- आप निर्धारित प्रपत्र में आप अपना रिपोर्ट प्रस्तुत करें। जहाँ कहीं आवश्यक हो आप अतिरिक्त पृष्ठ जोंड़े।
- अपना रिपोर्ट अंग्रेजी के टाइम्स न्यू रोमन, फॉण्ट का आकार 12, सिंगल स्पेस में A–4 कागज पर टाइप्ड या प्रिंटेड फॉर्म में प्रस्तुत करें या हिन्दी के कृतिदेव–11 आकार 14, सिगंल स्पेस में A–4 कागज पर टाइप्ड या प्रिंटेड फॉर्म में प्रस्तुत करें ।

****

स्नातकोत्तर पत्रोपाधि पाठ्यक्रम मनोवैज्ञानिक निर्देशन एवं परामर्श

(Post Graduate Diploma in Psychological Guidance and Counselling)

Case Study

- प्रशिक्षु का नाम
- प्रशिक्षु का रोल नं.
- सत्र

भाग A–

परामर्शी का जनांकिकीय विवरण

(Demographic Details of Counselee)

- परामर्शी का नाम
- आयु
- लिंग
- शिक्षा
- वैवाहिक स्थिति
- ग्रामीण/शहरी
- परिवारिक संरचना (एकल या संयुक्त)
- परामर्शी के भाई बहनों का विवरण
- व्यवसाय
- परामर्शी के पिता का नाम
- परामर्शी की माता का नाम
- परामर्शी की माता की शिक्षा
- परामर्शी की वार्षिक पारिवारिक आय

Part _ B

Problele Details and Counselling Provided

(समस्या का विवरण और उसका समाधान) हेतु परामर्श

परामर्शी की समस्या का विवरणः

1. समस्या का संक्षिप्त विवरण (लगभग 200 शब्दों में) (परामर्शी के बताये अनुसार संक्षेप में लिखें समस्या क्या है)
2. समस्या का संक्षिप्त इतिहास (परामर्शी के अनुसार लगभग 200 शब्दों में लिखें कि समस्या के कारण क्या हैं):
3. समस्या के कारण (लगभग 200 शब्दों में, परामर्शी के बताये अनुसार संक्षेप में लिखें कि समस्या के कारण क्या हैं):

4. समस्या के कारण व्यक्ति के जीवन पर दुष्प्रभाव (लगभग 200 शब्दों में, परामर्शी के बताये अनुसार संक्षेप में लिखें इस वजह से उसके जीवन पर क्या दुष्प्रभाव पड रहे है):
5. उपरोक्त विवरण एवं अन्य सूचनाओं के आलोक में परामर्शदाता का आंकलन एवं टिप्पणी (लगभग 150 शब्दों में लिखें कि परामर्शी द्वारा दी गयी जानकारी समस्या, समस्या का इतिहास, समस्या के कारण एवं दुष्प्रभावों के बारे में आपका क्या मत है? अगर आपने किसी प्रकार का परीक्षण टूल प्रयोग किया है तो उसका विवरण एवं परिणाम बताइए):
6. समस्या का संभावित समाधानः अपने अनुभवों, परामर्शी के विस्तृत विवरण एवं उसके साथ चर्चा के आधार पर बताइए कि समस्या के संभावित समाधान क्या हो सकते हैं और प्रत्येक समाधान के लाभ और उसकी सीमायें क्या हैं)

क्र.	संभावित समाधान	लाभ	सीमायें	प्राथमिकता

7. समस्या का अनुकूलतम समाधान जो परामर्शदाता/प्रशिक्षु ने सुझाया है (लगभग 300 शब्दों मे स्पष्पट कीजिये आपने क्या समाधान सुझाया और क्यों?):

परामर्शी के हस्ताक्षर

परामर्शदाता के हस्ताक्षर

विद्यालय परामर्श केंद्र के अधिकारी का हस्ताक्ष/
पिता के हस्ताक्षर

परामर्शी के माता

(सील के साथ)

(यदि परामर्शी नाबालिग है)

8. परामर्शी की प्रगति की समीक्षाः

मनोविज्ञान विषय के अंतर्गत मनुष्यों के व्यवहारों का अध्ययन व्यक्तिगत शारीरिक, सामाजिक, परिवारिक पक्षों को ध्यान में रखकर किया जाता है। व्यक्ति के व्यवहार में कभी–कभी विकृति या असामान्यता आ सकती है। इसे मनोवैज्ञानिक चिकित्सा पद्धतियाँ, परामर्श एवं निर्देशन के द्वारा दूर किया जा सकता है परामर्श की प्रक्रिया एवं कौशल आधारित प्रक्रिया है जिसमें प्रशिक्षण एवं अनुभव के साथ–साथ दक्षता प्राप्त करना महत्त्वपूर्ण लक्ष्य है परामर्श की प्रक्रिया में व्यक्ति के विभिन्न व्यक्तित्व से संबंधित पक्षों का ध्यानपूर्वक अध्ययन कर उसे निर्देशन व परामर्श दिया जाता है।

****

VERIFIED

Dr. Anita Singh
Incharge NAAC Criteria-I
PSSOU, CG Bilaspur